प्रकाशन का 64 वां वर्ष

卐।। श्री हरि ।। 卐

news & e-paper : www.sanmargjharkhand.com

सन्मार्ग

खबरों में मूल्य ₹ 1/

नमोऽस्तु रामाय सलक्ष्मणाय देव्यै च तस्यै जनकात्मजायै नमोऽस्तुरुद्रेन्द्रयमानिलेभ्यो नमोऽस्तुचन्द्रार्कमरुद्गणेभ्यः

घर से भागकर मुंबई गया, विक्षिप्त होकर लौटा

जीतेन मुर्मू को अपना घर-परिवार नहीं है याद

गम्हरिया : घर से भागकर मुंबई गया। सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनी में 100 रुपया का प्रतिदिन काम पकड़ा। एक दिन अचानक डंपर की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो बेहोश हो गया। उसे उठाकर किसी ने अस्पताल पहुंचाया। शारीरिक स्थिति ठीक होते ही अस्पताल प्रबंधन ने उसे भगा दिया। उसकी याददाश्त चली गयी थी। वह पागल होकर सड़कों पर पड़े जूठन को खा रहा था। रास्ते पर भटकने वाले मनो रोगियों की सेवा में तत्पर श्रद्धा रिहाबिलिटेशन फाउंडेशन की नजर उस पर पड़ी। उक्त युवक को उठाकर अपने संस्थान में लाया। उसका समुचित इलाज व खान-पान की व्यवस्था की। इलाज के दौरान आंशिक याददास्त वापस आने पर उक्त युवक ने गम्हरिया का पता बताया।

इंटरनेट पर गम्हरिया का पता ढुंढते श्रद्धा रिहाबिलिटेशन फाउंडेशन के सदस्य विभित साह उक्त युवक को लेकर गम्हरिया पहुंचा। किंतु यहां उसके घर, माता-पिता का कोई पता नहीं चल पाया। जीतेन मुर्मू नामक उक्त 22 वर्षीय युवक अपने पिता का नाम लोकनाथ मुर्मू तक बता पा रहा है। गम्हरिया के टायोगेट स्थित सामुदायिक भवन में जाहेरगाड़ समिति के वरिष्ठ सदस्य सोखेन हेम्ब्रम व भोमरा मांझी के पास पहुंचे फाउंडेशन के सदस्य श्री साह के सामने जीतेन मुर्मू को परिवार से मिलाना एक बड़ी चुनौती बन गयी है। काफी कुरेदने के पश्चात जीतेन मुर्मू ने बताया कि उसको बड़े भाई से लड़ाई होने के बाद घर से भाग गया था। गांव के तीन दोस्तों के साथ वह मुंबई गया। वहां सिविल कार्य के दौरान डंपर ने ठोकर मार दी। उसमें वह बेहोश हो गया। उसके बाद उसे कुछ याद नहीं है। वह कभी सालगाडीह अपना घर बताता है, जबकि मामा का घर भागाबेड़ा। अपने मस्तिष्क पर काफी जोर देकर वह इतना बताया कि दशमत नामक युवक के साथ ट्रेन से वह मुंबई गया था। इधर उक्त युवक को अपने परिजनों से मिलाने के लिए गम्हरिया टायोगेट खेरवाल सांवता जाहेरगाड़ समिति के सदस्य काफी प्रयत्नशील हैं।